प्रतिवेदन

अंतर्राष्ट्रीयअकादमिक सहयोग हेतु
ताइवान भ्रमण
08 से 14 अक्टूबर 2023

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर विकसित करेगा ताइवान के साथ अंतर्राष्ट्रीय संबंध

ताइवान दौरे पर पहुँची विश्वविद्यालय की कुलपति, कई विश्वविद्यालयों से हुई सार्थक चर्चा

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (AIU) के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में ताइवान का दौरा किया। उन्होंने 'युशान फोरम ऑन एशियन डायलॉग फॉर इनोवेशन एंड प्रोग्रेस ऑन टैलेंट एक्सचेंज एंड एन्हांस रीजनल रेजिलिएंस' में भाग लिया और ताइवान के विश्वविद्यालयों में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बारे में चर्चा की।

ताइवान के शिक्षा विभाग के उपमंत्री, मोन ची लियो द्वारा एक रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जहां दल ने मंत्रालय के अन्य अधिकारियों और ताइवान विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ भारत और ताइवान के बीच आगे के सहयोग और दोहरे डिग्री कार्यक्रमों पर चर्चा की।

कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल के साथ ताइवान के नेशनल ताइपे टेक्नोलोजिकल यूनिवर्सिटी (ताइपेइ), नेशनल सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, (ताओयुआन), नेशनल त्सिंग हुआ यूनिवर्सिटी (सिंचु), नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी (सिंचु), नेशनल चुंग ह्सिंग यूनिवर्सिटी (ताइचुंग), नेशनल चेंग कुंग यूनिवर्सिटी (ताइनान) का दौरा किया. प्रतिनिधिमंडल ने प्रत्येक विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया. इस दौरान विभिन्न संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के निदेशकों और डीन के साथ अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमों के संबंध में आपसी सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर खुशी जताई कि भारतीय छात्र सेमीकंडक्टर, भौतिकशास्त्र, अर्थ साइंस, लाइफ साइंस, मानव विज्ञान आदि क्षेत्रों में काफी विशेषज्ञता हासिल कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय छात्रों के साथ अलग-अलग बैठकें आयोजित की और उनसे बातचीत की. भारतीय

छात्रों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमने अपने रूचि के क्षेत्रों को पढने के लिए चुना और ताइवान के विश्वविद्यालय हमें इसके लिए उपयुक्त लगे इसलिए अध्ययन के लिए हमने यहाँ के संस्थान चुने. यहां अनुभवात्मक शिक्षा अधिक है और हम विशेष रूप से अपने व्यावहारिक कार्यों में शामिल होते हैं। हमारे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि हम वास्तव में सीखें. हम तकनीक सीखें और अपने दम पर उपकरणों को संभालने में सक्षम हों. सभी छात्रों ने कहा कि हम अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत वापस लौटना चाहेंगे और ज्ञान को बढ़ाने, सेमी कंडक्टर सुविधाओं का निर्माण करने और हमारे माननीय प्रधानमंत्री के सपनों की परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भारत के समग्र विकास में योगदान देंगे। उन्होंने यह कहा कि भारत के अधिक से अधिक छात्रों को ताइवान की शिक्षा प्रणाली से अवगत कराया जाए।

एक्सचेंज प्रोग्राम होगा अकादमिक साझेदारी का अहम हिस्सा

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर के अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें आदान-प्रदान कार्यक्रमों को केंद्र में रखते हुए इस बात विचार-विमर्श किया गया कि दोनों देशों के छात्रों को कैसे लाभान्वित किया जा सकता है। उन्होंने कुलपतियों को 'रुचि की अभिव्यक्ति' (एक्स्प्रेसन ऑफ़ इंटरेस्ट) की पेशकश की. कई विश्वविद्यालय इसके लिए सहर्ष तैयार हुए. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के निदेशकों और डीन के साथ चर्चा के बाद, वह सार्थक सहयोग के लिए आगे बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के सहयोग से डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर एक सफल भागीदार के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित होगा।

----------//---------

ताइवान के उपशिक्षा मंत्री मोन ची लियों के साथ विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

नेशनल सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी के साथ 'रूचि की अभिव्यक्ति'

नेशनल ताईपे यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी के साथ 'रूचि की अभिव्यक्ति'

नेशनल चुंग सिन यूनिवर्सिटी के साथ 'रूचि की अभिव्यक्ति'

नेशनल त्सिंग हुआ यूनिवर्सिटी के साथ 'रूचि की अभिव्यक्ति'

छाया चित्र वीथिका

玉山論壇
亞洲創新與進步對話
為亞洲發展開啟新藍圖
Start a New Blueprint for Asian Development

NARLabs 國家實驗研究院
台灣半導體研究中心
Taiwan Semiconductor Research Institute

先進半導體技術
Advanced Semiconductor Technology

Welcome to National Taipei University of Technology
TAIPEI TECH
Delegation of India
Association of Indian Universities, AIU
Chatrapati Shahu Ji Maharaj University
M.S. Ramaiah University of Applied Sciences
Assam University
Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya
Central University of Himachal Pradesh

उपलब्धि | ताइवान दौरे पर गईं डॉ. हरिसिंह गौर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

ताइवान में डॉ. गौर के प्रयासों और विवि पाठ्यक्रमों पर मंथन

भास्कर न्यूज़ | सागर

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के प्रतिनिधि मंडल के सदस्य के रूप में ताइवान का दौरा किया। उन्होंने युशान फोरम ऑन एशियन डायलॉग फॉर इनोवेशन एंड प्रोग्रेस ऑन टैलेंट एक्सचेंज एंड एन्हांस रीजनल रेजिलिएंस' में भाग लिया और ताइवान के विश्वविद्यालयों में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बारे में चर्चा की। ताइवान के शिक्षा विभाग के उपमंत्री, मोन ची लियो द्वारा एक रात्रिभोज का आयोजन किया गया। जहां दल ने मंत्रालय के अन्य अधिकारियों और ताइवान विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ भारत और ताइवान के बीच आगे के सहयोग और दोहरे डिग्री कार्यक्रमों पर चर्चा की।

कुलपति ने प्रतिनिधि मंडल के साथ ताइवान के नेशनल ताइपे टेक्नो-लोजिकल यूनिवर्सिटी (ताइपेइ), नेशनल सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, (ताओयुआन), नेशनल त्सिंग हुआ यूनिवर्सिटी (सिंचु), नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी (सिंचु), नेशनल चुंग ह्सिंग यूनिवर्सिटी (ताइचुंग), नेशनल चेंग कुंग यूनिवर्सिटी (ताइनान) का दौरा किया। प्रतिनिधि मंडल ने प्रत्येक विवि में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया।

इस दौरान विभिन्न संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के निदेशकों, डीन के साथ अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमों में आपसी सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रतिनिधि मंडल ने इस बात पर खुशी जताई कि भारतीय छात्र सेमीकंडक्टर, भौतिक शास्त्र, अर्थ साइंस, लाइफ साइंस, मानव विज्ञान आदि क्षेत्रों में काफी विशेषज्ञता हासिल कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय छात्रों के साथ अलग-अलग बैठकें आयोजित की और उनसे बातचीत की। भारतीय छात्रों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमने अपने रूचि के क्षेत्रों को पढने के लिए चुना और ताइवान के विश्वविद्यालय हमें इसके लिए उपयुक्त लगे इसलिए अध्ययन के लिए हमने यहां के संस्थान चुने। यहां अनुभवात्मक शिक्षा अधिक है और हम विशेष रूप से अपने व्यावहारिक कार्यों में शामिल होते हैं। सभी छात्रों ने कहा कि पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत वापस लौटना चाहेंगे। ज्ञान को बढ़ाने, सेमी कंडक्टर सुविधाओं का निर्माण करने भारत के समग्र विकास में योगदान देंगे। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डॉ. हरीसिंह गौर विवि के अनुसंधान के क्षेत्रों पर चर्चा की। इस तरह के सहयोग से डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि एक सफल भागीदार के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित होगा।

aper-bhaskarhindi-com.wl6-demo.readwhere.com

दैनिक भास्कर Mon, 16 October 2023
https://epaper.bhaskarhindi.com/c/73690965

विवि विकसित करेगा ताइवान के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंध : कुलपति

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यलय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एआइयू (एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज) के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में ताइवान का दौरा किया।

उन्होंने 'युशान फोरम ऑन एशियन डायलॉग फॉर इनोवेशन एंड प्रोग्रेस ऑन टैलेंट एक्सचेंज एंड एन्हांस रीजनल रेजिलिएंस' में भाग लिया और ताइवान के विश्वविद्यालयों में चल रहे अंतर राष्ट्रीय सहयोग के बारे में चर्चा की।

ताइवान के शिक्षा विभाग के उपमंत्री मोन ची लियो द्वारा एक रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जहां दल ने मंत्रालय के अन्य अधिकारियों और ताइवान विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ भारत और ताइवान के बीच आगे के सहयोग और दोहरे डिग्री कार्यक्रमों पर चर्चा की। कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल के साथ ताइवान के कई विश्वविद्यालयों का दौरा करते हुए वहां उपलब्ध सुविधाएं देखी।

इस दौरान विभिन्न संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, अंतरराष्ट्रीय सहयोग के निदेशकों और डीन के साथ अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमों के संबंध में आपसी सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय विद्यार्थियों के साथ बैठकें कर चर्चा की, जिसमें उन्होंने बताया कि चीन में अनुभवात्मक शिक्षा अधिक है, शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि हम वास्तव में सीखें। सभी छात्रों ने कहा कि पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत वापस लौटना चाहेंगे और ज्ञान को बढ़ाने के साथ भारत के समग्र विकास में योगदान देंगे। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर खुशी जताई कि भारतीय छात्र सेमीकंडक्टर, भौतिकशास्त्र, अर्थ साइंस, लाइफ साइंस, मानव विज्ञान आदि क्षेत्रों में काफी विशेषज्ञता हासिल कर रहे हैं।

सहयोग ताइवान दौरे में कुलपति नीलिमा गुप्ता की ताइवान के कई विश्वविद्यालयों से हुई सार्थक चर्चा

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि विकसित करेगा ताइवान के साथ अंतर्राष्ट्रीय संबंध

एक्सचेंज प्रोग्राम होगा अकादमिक साझेदारी का अहम हिस्सा

आचरण संवाददाता

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (AIU) के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में ताइवान का दौरा किया। उन्होंने 'युशान फोरम ऑन एशियन डायलॉग फॉर इनोवेशन एंड प्रोग्रेस ऑन टैलेंट एक्सचेंज एंड एन्हांस रीजनल रेजिलिएंस' में भाग लिया और ताइवान के विश्वविद्यालयों में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बारे में चर्चा की। ताइवान के शिक्षा विभाग के उपमंत्री, मोन ची लियो द्वारा एक रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जहां दल ने मंत्रालय के अन्य अधिकारियों और ताइवान विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ भारत और ताइवान के बीच आगे के सहयोग और दोहरे डिग्री कार्यक्रमों पर चर्चा की।

कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल के साथ ताइवान के नेशनल ताइपे टेक्नोलोजिकल यूनिवर्सिटी (ताइपेइ), नेशनल सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, (ताओयुआन), नेशनल त्सिंग हुआ यूनिवर्सिटी (सिंचु), नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी (सिंचु), नेशनल चुंग ह्सिंग यूनिवर्सिटी (ताइचुंग), नेशनल चेंग कुंग यूनिवर्सिटी (ताइनान) का दौरा किया. प्रतिनिधिमंडल ने प्रत्येक विश्वविद्यालय में उपलब्ध-सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न

संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के निदेशकों और डीन के साथ अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमों के संबंध में आपसी सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर खुशी जताई कि भारतीय छात्र सेमीकंडक्टर, भौतिकशास्त्र, अर्थ साइंस, लाइफ साइंस, मानव विज्ञान आदि क्षेत्रों में काफी विशेषज्ञता हासिल कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय छात्रों के साथ अलग-अलग बैठकें आयोजित कीं और उनसे बातचीत की. भारतीय छात्रों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमने अपने रूचि के क्षेत्रों को पढ़ने के लिए चुना और ताइवान के विश्वविद्यालय हमें इसके लिए उपयुक्त लगे इसलिए अध्ययन के लिए हमने यहाँ के संस्थान चुने. यहां अनुभवात्मक शिक्षा अधिक है और हम विशेष रूप से अपने व्यावहारिक कार्यों में शामिल होते हैं। हमारे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि हम वास्तव में सीखें. हम तकनीक सीखें और अपने दम पर उपकरणों को संभालने में सक्षम हों. सभी छात्रों ने कहा कि हम अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत वापस लौटना चाहेंगे और ज्ञान को बढ़ाने, सेमी कंडक्टर सुविधाओं का निर्माण करने और हमारे माननीय प्रधानमंत्री के सपनों की परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भारत के समग्र विकास में योगदान देंगे। उन्होंने यह कहा कि भारत के अधिक से अधिक छात्रों को ताइवान की शिक्षा प्रणाली से अवगत कराया जाए। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर के अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें आदान-प्रदान कार्यक्रमों को केंद्र में रखते हुए इस बात विचार-विमर्श किया गया कि दोनों देशों के छात्रों को कैसे लाभान्वित किया जा सकता है। उन्होंने कुलपतियों को 'रुचि की अभिव्यक्ति' (एक्सप्रेसन ऑफ़ इंटरेस्ट) की पेशकश की. कई विश्वविद्यालय इसके लिए सहर्ष तैयार हुए. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के निदेशकों और डीन के साथ चर्चा के बाद, वह सार्थक सहयोग के लिए आगे बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के सहयोग से डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर एक सफल भागीदार के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित होगा।

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर विकसित करेगा ताइवान के साथ अंतर्राष्ट्रीय संबंध

एक्सचेंज प्रोग्राम होगा अकादमिक साझेदारी का अहम हिस्सा

सागर(एस.बी.न्यूज)। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में ताइवान का दौरा किया। उन्होंने 'युशान फोरम ऑन एशियन डायलॉग फॉर इनोवेशन एंड प्रोग्रेस ऑन टैलेंट एक्सचेंज एंड एन्हांस रीजनल रेजिलिएंस' में भाग लिया और ताइवान के विश्वविद्यालयों में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बारे में चर्चा की। ताइवान के शिक्षा विभाग के उपमंत्री, मोन ची लियो द्वारा एक रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जहां दल ने मंत्रालय के अन्य अधिकारियों और ताइवान विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ भारत और ताइवान के बीच आगे के सहयोग और दोहरे डिग्री कार्यक्रमों पर चर्चा की। कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल के साथ ताइवान के नेशनल ताइपे टेक्नोलोजिकल यूनिवर्सिटी (ताइपेइ), नेशनल सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, (ताओयुआन), नेशनल त्सिंग हुआ यूनिवर्सिटी (सिंचु), नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी (सिंचु), नेशनल चुंग ह्सिंग यूनिवर्सिटी (ताइचुंग), नेशनल चेंग कुंग यूनिवर्सिटी (ताइनान) का दौरा किया. प्रतिनिधिमंडल ने प्रत्येक विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के निदेशकों और डीन के साथ अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमों के संबंध में आपसी सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर खुशी जताई कि भारतीय छात्र सेमीकंडक्टर, भौतिकशास्त्र, अर्थ साइंस, लाइफ साइंस, मानव विज्ञान आदि क्षेत्रों में काफी विशेषज्ञता हासिल कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय छात्रों के साथ अलग-अलग बैठकें आयोजित की और उनसे बातचीत की. भारतीय छात्रों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमने अपने रूचि के क्षेत्रों को पढ़ने के लिए चुना और ताइवान के विश्वविद्यालय हमें इसके लिए उपयुक्त लगे इसलिए अध्ययन के लिए हमने यहाँ के संस्थान चुने. यहां अनुभवात्मक शिक्षा अधिक है और हम विशेष रूप से अपने व्यावहारिक कार्यों में शामिल होते हैं। हमारे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि हम वास्तव में सीखें. हम तकनीक सीखें और अपने दम पर उपकरणों को संभालने में सक्षम हों। सभी छात्रों ने कहा कि हम अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत वापस लौटना चाहेंगे और ज्ञान को बढ़ाने, सेमी कंडक्टर सुविधाओं का निर्माण करने और हमारे माननीय प्रधानमंत्री के सपनों की परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भारत के समग्र विकास में योगदान देंगे।

एक्सचेंज प्रोग्राम होगा अकादमिक साझेदारी का अहम हिस्सा

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर के अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें आदान-प्रदान कार्यक्रमों को केंद्र में रखते हुए इस बात विचार-विमर्श किया गया कि दोनों देशों के छात्रों को कैसे लाभान्वित किया जा सकता है। उन्होंने कुलपतियों को 'रुचि की अभिव्यक्ति' (एक्सप्रेसन ऑफ़ इंटरेस्ट) की पेशकश की. कई विश्वविद्यालय इसके लिए सहर्ष तैयार हुए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के निदेशकों और डीन के साथ चर्चा के बाद, वह सार्थक सहयोग के लिए आगे बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के सहयोग से डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर एक सफल भागीदार के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित होगा।

ताइवान पहुंची विवि की कुलपति

नवभारत न्यूज

सागर 15 अक्टूबर. डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में ताइवान का दौरा किया.

उन्होंने युशान फोरम ऑन एशियन डायलॉग फॉर इनोवेशन एंड प्रोग्रेस ऑन टैलेंट एक्सचेंज एंड एन्हांस रीजनल रेजिलिएंस में भाग लिया और ताइवान के विश्वविद्यालयों में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बारे में चर्चा की. उपमंत्री मोन ची लियो द्वारा एक आयोजन किया गया. ताइवान विवि के कुलपतियों के साथ भारत और ताइवान के बीच आगे के सहयोग पर चर्चा की.

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय विकसित करेगा ताइवान के साथ अंतर्राष्ट्रीय संबंध

ताइवान दौरे में कुलपति कई विश्वविद्यालयों से हुई चर्चा, एक्सचेंज प्रोग्राम होगा अकादमिक साझेदारी का अहम हिस्सा

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में ताइवान का दौरा किया। उन्होंने युशान फोरम ऑन एशियन डायलॉग फॉर इनोवेशन एंड प्रोग्रेस ऑन टैलेंट एक्सचेंज एंड एन्हांस रीजनल रेजिलिएंस में भाग लिया और ताइवान के विश्वविद्यालयों में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बारे में चर्चा की। ताइवान के शिक्षा विभाग के उपमंत्री, मोन ची लियो द्वारा एक रात्रि भोज का आयोजन किया गया, जहां दल ने मंत्रालय के अन्य अधिकारियों और

ताइवान विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ भारत और ताइवान के बीच आगे के सहयोग और दोहरे डिग्री कार्यक्रमों पर चर्चा की। कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल के साथ ताइवान के नेशनल ताइपे टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी ताइपेइ, नेशनल सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, ताओयुआन, नेशनल त्सिंग हुआ यूनिवर्सिटी सिंचु, नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी सिंचु, नेशनल चुंग ह्सिंग यूनिवर्सिटी ताइचुंग, नेशनल चेंग कुंग यूनिवर्सिटी ताइनान का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने प्रत्येक विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के निदेशकों और डीन के साथ अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमों के संबंध में आपसी सहयोग पर विचारों का आदान प्रदान किया। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर खुशी जताई कि भारतीय छात्र सेमीकंडक्टर, भौतिकशास्त्र, अर्थ साइंस, लाइफ साइंस, मानव विज्ञान आदि क्षेत्रों में काफी विशेषज्ञता हासिल कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय छात्रों के साथ अलग-अलग बैठकें आयोजित की और उनसे बातचीत की। भारतीय छात्रों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमने अपने रूचि के क्षेत्रों को पढने के लिए चुना और ताइवान के विश्वविद्यालय हमें इसके लिए उपयुक्त लगे इसलिए अध्ययन के लिए हमने यहां के संस्थान चुने। यहां अनुभवात्मक शिक्षा अधिक है और हम विशेष रूप से अपने व्यावहारिक कार्यों में शामिल होते हैं।

हमारे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि हम वास्तव में सीखें। हम तकनीक सीखें और अपने दम पर उपकरणों को संभालने में सक्षम हों। सभी छात्रों ने कहा कि हम अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत वापस लौटना चाहेंगे और ज्ञान को बढ़ाने, सेमी कंडक्टर सुविधाओं का निर्माण करने और परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भारत के समग्र विकास में योगदान देंगे।

एक्सचेंज प्रोग्राम होगा अकादमिक साझेदारी का अहम हिस्सा

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें आदान प्रदान कार्यक्रमों को केंद्र में रखते हुए इस बात विचार विमर्श किया गया कि दोनों देशों के छात्रों को कैसे लाभान्वित किया जा सकता है। उन्होंने कुलपतियों को रुचि की अभिव्यक्ति की पेशकश की। कई विश्वविद्यालय इसके लिए सहर्ष तैयार हुए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के निदेशकों और डीन के साथ चर्चा के बाद, वह सार्थक सहयोग के लिए आगे बढ़ेंगी। इस तरह के सहयोग से डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय एक सफल भागीदार के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित होगा।

...चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 ...

दैनिक भास्कर सागर 16-10-2023

सागर विवि ताइवान के साथ करेगा अंतरराष्ट्रीय संबंध विकसित

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एआईयू यानी एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में ताइवान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ताइवान के विश्वविद्यालयों में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बारे में चर्चा की। ताइवान के शिक्षा विभाग के उपमंत्री मोन ची लियो द्वारा आयोजित रात्रिभोज में दल ने मंत्रालय के अन्य अधिकारियों और ताइवान विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ भारत और ताइवान के बीच आगे के सहयोग और दोहरे डिग्री कार्यक्रमों पर चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने वहां के विभिन्न विश्वविद्यालयों का दौरा कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, अंतरराष्ट्रीय सहयोग के निदेशक और डीन के साथ अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमों के संबंध में आपसी सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने वहां पढ़ रहे भारतीय छात्रों के साथ अलग-अलग बैठकें कर उनसे बातचीत की। भारतीय छात्रों ने बताया हमने अपनी रुचि के क्षेत्रों को पढ़ने के लिए चुना और ताइवान के विश्वविद्यालय हमें इसके लिए उपयुक्त लगे।

उन्होंने कहा भारत के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को ताइवान की शिक्षा प्रणाली से अवगत कराया जाए। कुलपति प्रो. गुप्ता ने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की। जिसमें आदान-प्रदान कार्यक्रमों को केंद्र में रखते हुए इस बात पर विचार-विमर्श किया गया कि दोनों देशों के विद्यार्थियों को कैसे लाभान्वित किया जा सकता है।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की ताइवान के कई विवि से हुई सार्थक चर्चा

डा. हरीसिंह गौर विवि विकसित करेगा ताइवान के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंध

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने ताइवान मे विभिन्न विवि के कुलपतियों से चर्चा की। ● नवदुनिया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एसोसिएशन आफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में ताइवान का दौरा किया। दौरा से आने के बाद उन्होंने उपलब्धियों की जानकारी दी।

उन्होंने 'युशान फोरम आन एशियन डायलाग फार इनोवेशन एंड प्रोग्रेस आन टैलेंट एक्सचेंज एंड एन्हांस रीजनल रेजिलिएंस' में भाग लिया और ताइवान के विवि में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बारे में चर्चा की।

ताइवान के शिक्षा विभाग के उपमंत्री, मोन ची लियो द्वारा एक रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जहां दल ने मंत्रालय के अन्य अधिकारियों और ताइवान विवि के कुलपतियों के साथ भारत और ताइवान के बीच आगे के सहयोग और दोहरे डिग्री कार्यक्रमों पर चर्चा की।

कुलपति प्रो. गुप्ता ने विवि के प्रतिनिधिमंडल के साथ ताइवान के नेशनल ताइपे टेक्नोलोजिकल यूनिवर्सिटी (ताइपेइ), नेशनल सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, (ताओयुआन), नेशनल त्सिंग हुआ यूनिवर्सिटी (सिंचु), नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी (सिंचु), नेशनल चुंग ह्सिंग यूनिवर्सिटी (ताइचुंग), नेशनल चेंग कुंग यूनिवर्सिटी (ताइनान) का दौरा किया।

विवि में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया

प्रतिनिधिमंडल ने प्रत्येक विवि में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न संस्थाओं और विवि के कुलपतियों, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के निदेशकों और डीन के साथ अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमों के संबंध में आपसी सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर खुशी जताई कि भारतीय छात्र सेमीकंडक्टर, भौतिकशास्त्र, अर्थ साइंस, लाइफ साइंस, मानव विज्ञान आदि क्षेत्रों में काफी विशेषज्ञता हासिल कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय छात्रों के साथ अलग-अलग बैठकें आयोजित की और उनसे बातचीत की।

भारतीय छात्रों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमने अपने रूचि के क्षेत्रों को पढने के लिए चुना और ताइवान के विवि हमें इसके लिए उपयुक्त लगे। इसलिए अध्ययन के लिए हमने यहां के संस्थान चुने. यहां अनुभवात्मक शिक्षा अधिक है और हम विशेष रूप से अपने व्यावहारिक कार्यों में शामिल होते हैं।

हमारे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि हम वास्तव में सीखें। हम तकनीक सीखें और अपने दम पर उपकरणों को संभालने में सक्षम हों। सभी छात्रों ने कहा कि हम अपनी पढाई पूरी करने के बाद भारत वापस लौटना चाहेंगे और ज्ञान को बढ़ाने, सेमी कंडक्टर सुविधाओं का निर्माण करने और हमारे प्रधानमंत्री के सपनों की परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भारत के समग्र विकास में योगदान देंगे। उन्होंने यह कहा कि भारत के अधिक से अधिक छात्रों को ताइवान की शिक्षा प्रणाली से अवगत कराया जाए।

एक्सचेंज प्रोग्राम अकादमिक साझेदारी का अहम हिस्सा

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि सागर के अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा की, जिसमें आदान-प्रदान कार्यक्रमों को केंद्र में रखते हुए इस बात विचार-विमर्श किया गया।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के छात्रों को कैसे लाभान्वित किया जा सकता है। उन्होंने कुलपतियों को 'रुचि की अभिव्यक्ति' (एक्स्प्रेसन आफ़ इंटरेस्ट) की पेशकश की। कई विवि इसके लिए सहर्ष तैयार हुए. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के निदेशकों और डीन के साथ चर्चा के बाद, वह सार्थक सहयोग के लिए आगे बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के सहयोग से डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि सागर एक सफल भागीदार के रूप में अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित होगा।

गौर केंद्रीय विवि विकसित करेगा ताइवान के साथ अंतर्राष्ट्रीय संबंध

जागरण सागर। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में ताइवान का दौरा किया। उन्होंने युशान फोरम ऑन एशियन डायलॉग फॉर इनोवेशन एंड प्रोग्रेस ऑन टैलेंट एक्सचेंज एंड एन्हांस रीजनल रेजिलिएंस में भाग लिया और ताइवान के विश्वविद्यालयों में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बारे में चर्चा की। ताइवान के शिक्षा विभाग के उपमंत्री, मोन ची लियो द्वारा एक रात्रिभोज का आयोजन किया गया जहां दल ने मंत्रालय के अन्य अधिकारियों और ताइवान विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ भारत और ताइवान के बीच आगे के सहयोग और दोहरे डिग्री कार्यक्रमों पर चर्चा की।

कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल के साथ ताइवान के नेशनल ताइपे टेक्नोलोजिकल यूनिवर्सिटी, नेशनल सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी, नेशनल त्सिंग हुआ यूनिवर्सिटी नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी, नेशनल चुंग ह्सिंग यूनिवर्सिटी नेशनल चेंग कुंग यूनिवर्सिटी ताइनान का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने प्रत्येक विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण कियाण् इस दौरान विभिन्न संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के कुलपतियों अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के निदेशकों और डीन के साथ अनुसंधान और शैक्षणिक कार्यक्रमों के संबंध में आपसी सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर खुशी जताई कि भारतीय छात्र सेमीकंडक्टर, भौतिकशास्त्र, अर्थ साइंस, लाइफ साइंस, मानव विज्ञान आदि क्षेत्रों में काफी विशेषज्ञता हासिल कर रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय छात्रों के साथ अलग-अलग बैठकें आयोजित की और उनसे बातचीत की। भारतीय छात्रों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमने अपने रूचि के क्षेत्रों को पढ़ने के लिए चुना और ताइवान के विश्वविद्यालय हमें इसके लिए उपयुक्त लगे इसलिए अध्ययन के लिए हमने यहां के संस्थान चुने। यहां अनुभवात्मक शिक्षा अधिक है और हम विशेष रूप से अपने व्यावहारिक कार्यों में शामिल होते हैं। हमारे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि हम वास्तव में सीखें, हम तकनीक सीखें और अपने दम पर उपकरणों को संभालने में सक्षम हों। सभी छात्रों ने कहा कि हम अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत वापस लौटना चाहेंगे और ज्ञान को बढ़ानेए सेमी कंडक्टर सुविधाओं का निर्माण करने और हमारे माननीय प्रधानमंत्री के सपनों की परियोजनाओं को पूरा करने के लिए भारत के समग्र विकास में योगदान देंगे। उन्होंने यह कहा कि भारत के अधिक से अधिक छात्रों को ताइवान की शिक्षा प्रणाली से अवगत कराया जाए।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने डॉण् हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालयए सागर के अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा कीए जिसमें आदान.प्रदान कार्यक्रमों को केंद्र में रखते हुए इस बात विचार.विमर्श किया गया कि दोनों देशों के छात्रों को कैसे लाभान्वित किया जा सकता है। इस प्रयास से भागीदार के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित होगा। वहीं इस कदम से विवि की साख भी बढ़ेगी।

सोशल मीडिया लिंक –

1. http://dhunt.in/Q0ycb?s=a&uu=0xfd0bc11999cb20c0&ss=pd
2. https://hindi.news18.com/news/madhya-pradesh/sagar-taiwans-technology-that-competes-with-the-world-will-be-taught-in-sagar-university-7755511.html
3. https://www.etvbharat.com/hindi/madhya-pradesh/bharat/indian-will-become-experts-in-semiconductor-sagar-university-will-agreement-with-taiwan/na20231017090604239239785
4. https://www.etvbharat.com/english/state/madhya-pradesh/madhya-pradesh-sagar-university-to-train-students-in-semiconductor-technology-through-tie-up-with-taiwanese-varsities/na20231017141517969969621
5. https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid0d3xXdQb7H1nwg4QCswvCTrCr7hBaQSYvvvyco9yjACS6CzqxcR2ru6RZjYTiSNbhl&id=100076048982640&sfnsn=wiwspwa&mibextid=RUbZ1f

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www.dhsgsu.edu.in